राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

## संदेश

शिक्षक दिवस के अवसर पर, मैं देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएँ देती हूँ। यह दिवस महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस भी है, जो समस्त देश के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इस अवसर पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होते हैं और राष्ट्र के भविष्य के निर्माता भी। अपने विवेक, अनुभव और मूल्यों से वे पीढ़ी दर पीढ़ी छात्रों में विचारों का पोषण करते हैं और उनमें उत्कृष्टता और नवाचार का भाव उत्पन्न करते हैं। भारत एक विकसित देश के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बढ़ रहा है, ऐसे में छात्रों को एक जिम्मेदार, ज्ञानशील और दक्ष नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षकों को सशक्त बनाने और शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसा सकारात्मक वातावरण बनाएं जहां शिक्षकों का सम्मान हो और छात्रों में रचनात्मकता, करुणा और नवाचार का संचार हो।

मैं, पुनः सभी शिक्षकों को शुभकामनाएँ देती हूँ। मैं कामना करती हूं कि हमारे शिक्षक ऐसे प्रबुद्ध विद्यार्थी तैयार करने में सफल हों जो भारत को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएँ।

द्रौपदी

(द्रौपदी मुर्मु)

**नई दिल्ली**
**02 सितम्बर, 2025**

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

# संदेश

विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षा व उच्च संस्कार देते हुए राष्ट्र निर्माण में जुटे सभी गुरूजनों, आचार्यों व अध्यापकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। एक शिक्षक के रूप में विशिष्ट योगदान देने वाले डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर देश का भविष्य संवारने में जुटे सभी शिक्षकों का मैं अभिनंदन करता हूं।

भारत की संस्कृति और संस्कारों में गुरू का स्थान सर्वोच्च माना गया है। अपनी वाणी से जन-जन का जीवन आलोकित करने वाले कबीर दास जी ने कहा है:-

*सब धरती कागद करूँ, लेखनी सब बनराय।*
*सात समुद्र की मसि करूँ, गुरू गुण लिखा न जाय॥*

अर्थात् गुरू के गुण इतने अनंत और महान हैं कि पूरी धरती को कागज, जंगल को कलम और समुद्र को स्याही बना लें, तब भी गुरू के गुणों को लिखा नहीं जा सकता।

तेजी से बदलते देश और दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक दूरदर्शी और युगानुकूल पहल है। 21वीं सदी में हमारे विद्यार्थियों में रचनात्मकता, शोध प्रवृत्ति व डिजिटल दक्षता बढ़ाने के साथ ही यह नीति मातृभाषा में शिक्षा और भारत की समृद्ध विरासत से जुड़ाव पर विशेष बल देती है।

इस नीति के क्रियान्वयन में हमारे शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम् है। शिक्षक केवल ज्ञान के स्रोत नहीं बल्कि विद्यार्थियों में मूल्यों का संचार करते हुए उन्हें देश का जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

अमृत काल में हम एक भव्य व विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। इस कर्तव्य काल में हमारे शिक्षक देश को ज्ञान-शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

शिक्षा-जगत से जुड़े सभी लोगों को उनके समर्पण, तप और प्रेरणा के लिए नमन व शिक्षक दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 10, शक संवत् 1947
01 सितम्बर, 2025

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

# संदेश

शिक्षक दिवस, 2025 के अवसर पर हम अपने शिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं जो 'हमारे जीवन के मार्गदर्शक' हैं। वे वास्तव में एक उभरते राष्ट्र के निर्माण के लिए हमारे सामूहिक प्रयास के सूत्रधार हैं।

शिक्षक केवल शिक्षाविद ही नहीं, अपितु राष्ट्र निर्माता भी हैं। उनका मार्गदर्शन पाठ्यपुस्तकों और कक्षाओं से कहीं अधिक है - वे ज्ञान प्रदाता हैं और शिक्षार्थियों में ऐसे मूल्य और आत्मविश्वास की प्रेरणा देते हैं जो जीवनपर्यंत बना रहे। यह उनके समर्पण का ही परिणाम है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली एक ऐसी नई पीढ़ी का निर्माण और विकास कर रही है जो न केवल शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली है, बल्कि ईमानदार, नवोन्मेषी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के तहत, माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने शिक्षा में व्यापक सुधार लागू किए हैं, जिसमें शिक्षकों को परिवर्तनकारी शिक्षा के केन्द्र में रखा गया है। इस दिशा में, शिक्षक प्रशिक्षण और उनका सतत व्यावसायिक विकास, शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यचर्या का निरंतर अद्यतनीकरण और शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास हेतु एक सुदृढ़ डिजिटल अवसंरचना मौजूद है। एससीईआरटी और डाइट की अवसंरचना को लक्षित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सुनिश्चित करते हुए स्तरोन्नत किया जा रहा है।

मैं प्रत्येक शिक्षक से आग्रह करता हूँ कि वे निरंतर अधिगम, डिजिटल प्रौद्योगिकी और विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते रहें। आइए, हम विकसित भारत के विज़न को साकार करने के लिए शिक्षण की भावना का उत्सव मनाएँ, जिसमें प्रत्येक शिक्षक इस परिवर्तनकारी यात्रा का स्तंभ हो। मेरी कामना है कि प्रत्येक शिक्षक स्वस्थ और सानंद रहें तथा उनमें आने वाले समय में ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करने का उत्साह निरंतर बना रहे।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

जयन्त चौधरी
JAYANT CHAUDHARY

सत्यमेव जयते

कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State (Independent Charge) for
Skill Development and Entrepreneurship
and Minister of State for Education
Government of India

## संदेश

शिक्षक दिवस अपने साथ भारत के पूर्व राष्ट्रपति और आदर्श शिक्षक, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की विरासत को लेकर आता है, जिन्होंने हमें दिखाया कि शिक्षण सेवा के सर्वोच्च रूपों में से एक है। उनका विश्वास था कि शिक्षक समाज के चरित्र का निर्माण करते हैं, और यह दृढ़ विश्वास आज भी हर कक्षा में सत्य सिद्ध होता है।

वर्तमान युग में, जब ज्ञान का हर पल विस्तार होता जा रहा है और तकनीक हमें नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है, ऐसे समय में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे केवल पाठ ही नहीं पढ़ाते बल्कि युवाओं को प्रश्न पूछने का साहस, स्वतंत्र रूप से चिंतन करने का आत्मविश्वास और परिवर्तनशील परिस्थितियों में स्थिरता प्रदान करने वाले मूल्यों का आधार भी प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इस मूल सत्य को स्वीकार किया गया है। इस नीति में शिक्षकों को शैक्षिक रूपांतरण के केंद्र में रखा गया है और इस बात पर बल दिया गया है कि हमारे बच्चों का प्रतिदिन मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को सशक्त बनाए बिना कोई भी सुधार सफल नहीं हो सकता।

विज्ञान, कला, व्यवसाय या लोक जीवन में हर उपलब्धि के मूल में वह शिक्षक होता है जो अपने विद्यार्थी की क्षमता पर विश्वास रखता है। यही वह विश्वास है जो राष्ट्र निर्माण की आधारशिला सिद्ध होता है। शिक्षक हमारे युवा नागरिकों को सीमाओं से परे स्वप्न देखने की प्रेरणा और उन्हें साकार करने का अनुशासन व संकल्प प्रदान करते हैं।

शिक्षक दिवस के इस अवसर पर, मैं संपूर्ण भारत के प्रत्येक शिक्षक को हार्दिक बधाई देता हूँ। आपके समर्पण से एक ऐसा भविष्य आकार ले रहा है जो अधिक प्रबुद्ध, अधिक उदार और अधिक सशक्त होगा। हमारे राष्ट्र की प्रगति की नींव आपके द्वारा अपनी कक्षाओं में रखी जाती है, और इसके लिए हम सदैव आपके प्रति कृतज्ञ हैं।

जयन्त चौधरी

**(जयन्त चौधरी)**

Office: Room No. 104-A, 'C' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001